Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

फ

फंदा

परिभाषा:

"जाल" और "फंदा" ये ऐसे साधन होते थे जिनसे पशु -पक्षी पकड़े जाते थे और वे बचकर भाग नहीं सकते थे। "जाल में फँसाने" का अर्थ है, जाल बिछाकर पकड़ना और फंदे में फंसाना या फंसाने का अर्थ है, फंदे से पकड़ना। बाइबल में इन शब्दों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है कि पाप और परीक्षा छिपे हुए फंदे हैं जो मनुष्य फंसा कर उसकी हानि करते हैं ।

- “जाल” रस्सी या तार की एक कुंडली होती है जिसमें पशु का पांव पड़ जाए तो वह उसमें उलझ जाता है।
- “फंदा” धातु या लकड़ी का बना होता है जिसके दो भाग होते हैं जो पशु का पांव पड़ने पर कठोरता से बन्द हो जाते हैं और पशु भाग नहीं पाता है। कभी-कभी फंदा भूमि में खोदा हुआ गड्ढा भी होता है जिसमें पशु गिर जाता है।
- जाल या फंदा छिपाकर रखा जाता है कि पशु उसे देख न पाए।
- “जाल बिछाना” अर्थात किसी को फंसाने के लिए जाल लगाना।
- “जाल में फंसना” अर्थात किसी गहरे गड्ढे में गिरना जो पहले से पशु को फंसाने के लिए खोदा गया है।
- एक व्यक्ति जो पाप करना शुरू कर देता है और रोक नहीं सकता, उसे "पाप से फंसे" के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जिस प्रकार एक जानवर को फँसाने के लिए किया जाता है कि वह बच नहीं पाए।
- जिस प्रकार कि पशु फंदे में फंसकर संकट में पड़ जाता है और हानि उठाता है उसी प्रकार मनुष्य पाप में फंस कर हानि उठाता है और उसे मुक्ति की आवश्यकता होती है।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, , शिकार, शैतान, परीक्षा में डालना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 07:26
- लूका 21:34
- मरकुस 12:13
- भजन-संहिता 018:5

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2256, H3353, H3369, H3920, H3921, H4170, H4204, H4434, H4685, H4686, H4889, H5367, H5914, H6341, H6351, H6354, H6679, H6983, H7639, H7845, H8610, G64, G1029, G2339, G2340, G3802, G3803, G3985, G4625

फरात महानद

तथ्य:

फरात अदन की वाटिका से होकर बहनेवाली चार नदियों में से एक का नाम है। इस नदी का नाम बाइबल में अनेक बार आता है।

- आज की फरात नदी मध्य पूर्व में है जो एशिया की सबसे लम्बी और सबसे अधिक महत्वपूर्ण नदी है।
- टाइगरिस नदी के साथ फरात नदी मेसोपोटामिया क्षेत्र की सीमाएं बान्धती है।
- प्राचीन नगर ऊर जहां से अब्राहम निकला था, फरात नदी के उद्गम के स्थान पर था।यह नदी उस देश की सीमाओं में से एक थी जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अब्राहम को देने के लिए की थी। (उत्प. 15:18)
- कभी-कभी फरात नदी को केवल महानद कहा गया है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 05:7–9
- 2 इतिहास 09:25–26
- निर्गमन 23:30–33
- उत्पत्ति 02:13–14
- यशायाह 07:20–22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5104, H6578, G2166

फरीसी

तथ्य:

फरीसी यीशु के समय यहूदी अगुओं का एक महत्वपूर्ण प्रभावशाली पंथ था।

- उनमें से अधिकांश जन मध्यम वर्ग के व्यापारी थे वरन कुछ फरीसी याजक भी थे।
- सब यहूदी अगुओं में फरीसी मूसा की व्यवस्था के पालन में तथा अन्य यहूदी नियमों एवं परम्पराओं के पालन में सबसे अधिक कट्टर मनुष्य थे।
- वे यहूदियों को आसपास की अन्यजातियो के प्रभाव से अलग रखने के विषय अत्यधिक चिन्तित रहते थे। फरीसी शब्द का उद्भव "पृथक करना" से हुआ है।
- फरीसी मरने के बाद के जीवन को मानते थे, वे स्वर्गदूतों और अन्य आत्मिक प्राणियों को भी मानते थे।
- फरीसी और सदूकी यीशु और आरंभिक कलीसिया के कट्टर विरोधी थे।

(यह भी देखें: महासभा, यहूदी अगुवे, व्यवस्था, सदूकी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:4
- यूहन्ना 3:1–2
- लूका 11:44
- मत्ती 3:7
- मत्ती 5:20
- मत्ती 9:11
- मत्ती 12:2
- मत्ती 12:38
- फिलिप्पियों 3:5

शब्द तथ्य:

- स्त्रोंग्स: G53300

फल

परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

- बाइबल में "फल" शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
- मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु "फलवन्त" का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
- "फलवन्त" का प्रतीकात्मक अर्थ है, "समृद्धि" इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
- सामान्यतः "का फल" का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, "बुद्धि का फल" का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
- "भूमि का फल" मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
- प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति "आत्मा का फल" आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
- "गर्भ का फल" अर्थात स्त्री की सन्तान।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "फल" के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द "फलों" अधिक स्वाभाविक होगा।
- प्रकरण के अनुसार, "फलवन्त" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना" या "अनेक सन्तान होना" या "समृद्ध होना"
- "भूमि की उपज" का अनुवाद "भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन" या "उस क्षेत्र की फसल"।

- पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी "फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो"। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद "अनेक सन्तान होना" या "अनेक सन्तान एवं वंशज होना" या "अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों"।
- "गर्भ का फल" अनुवाद हो सकता है, "गर्भ से उत्पन्न" या "स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान" या केवल "सन्तान"। एलीशिबा ने मरियम से कहा, "धन्य तेरे गर्भ का फल" तो उसका अर्थ था "जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है"। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
- "दाख का फल" का अनुवाद "दाखलता का फल" या "अंगूर" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "अधिक फलवन्त होना" का अनुवाद हो सकता है, "अधिक फल देगी" या "अधिक सन्तान होगी" या "समृद्ध होगे"।
- प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति "फलदायक परिश्रम" का अनुवाद हो सकता है, "अच्छे परिणाम लाने वाला काम" या "मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास"।
- "आत्मा का फल" का अनुवाद "पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य" या "शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है" हो सकता है।

(यह भी देखें: वंशज, अन्न, अंगूर, पवित्र आत्मा, दाखलता, गर्भ)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 05:23
- उत्पत्ति 01:11
- लूका 08:15
- मत्ती 03:7–9
- मत्ती 07:17

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

फसल

परिभाषा:

"उपज" शब्द का अर्थ है, उपजाऊ पेड़-पौधों से पके फल या सब्जियाँ, बीज या अन्न एकत्र करना। "कटनी" शब्द का अर्थ है, फसलों की कटाई करना।

- कटनी का समय फसल उगने की ऋतू के अंत का समय होता है।
- इस्राएल "कटनी का पर्व" मनाता था कि भोजन की फसल काटने का उत्सव मनाएं। परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए पहला फल चढाएं।
- बाईबल के युग में, लावनी करने वाले प्रायः हाथ से फसल काटते थे, पौधों को उखाड़ कर या धार वाले साधन से उनको काट कर।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द में निहित धारणा का अनुवाद लक्षित भाषा में फसल काटने के सामान्य शब्द द्वारा किया जाए।
- कटनी का अनुवाद हो सकता है, "फल एकत्र करने का समय" या "फसल उठाने का समय" या "फल तोड़ने का समय"।
- "लवनी करना" का अनुवाद हो सकता है, "एकत्र करना", "तोड़ना" या "संग्रह करना"

(यह भी देखें: पहला फल, पर्व, सुसमाचार)

फसह

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 9:9–11
- 2 शमूएल 21:7–9
- गलातियों 6:9–10
- यशायाह 17:11
- याकूब 5:7–8
- लैव्यव्यवस्था 19:9
- मत्ती 9:38
- रूत 1:22
- गलातियों 6:9–10
- मत्ती 6:25–26
- मत्ती 13:30
- मत्ती 13:36–39
- मत्ती 25:24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2758, H4395, H4672 H7105, H7114, H7938, G270, G2325, G2326, G2327

फसह

तथ्य:

"फसह" यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जो प्रतिवर्ष मनाया जाता है, जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

- इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों "को अछूता छोड़कर" निकल गया और उन्हें मिस्र के दासत्व से मुक्ति दिलाई।

अनुवाद के सुझाव:

फसह शब्द के अनुवाद में "पार" और "निकलने" की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन किया जा सकता है।

- यदि इस पर्व का नाम उन अनुवादित शब्दों के साथ अर्थगम्य हो जिनके द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों का वध न करते हुए स्वर्गदूत का उनके घरों से आगे बढ़ जाने का वर्णन किया गया है तो यह सहायक सिद्ध होगा ।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 5:7
- 2 इतिहास 30:13–15
- 2 राजा 23:23
- व्यवस्थाविवरण 16:2
- निर्गमन 12:26–28
- एज्रा 6:21–22
- यूहन्ना 13:1
- यहोशू 5:10–11
- लैव्यव्यवस्था 23:4–6
- गिनती 9:3

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे मिस्रियों पर परमेश्वर की विजय और दासत्व से उनकी मुक्ति के स्मरण में प्रतिवर्ष **फसह** का पर्व मनाया करें |
- **38:1** यहूदी प्रतिवर्ष **फसह** का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वे याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व से निकाला था |
- _38:4_यीशु ने अपने चेलों के साथ **फसह** का पर्व मनाया था |
- **48:9** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को **फसह** कहा जाता है|
- **48:10** यीशु हमारा **फसह** का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और **फसह** के उत्सव के दिन मारा गया था |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6453, G39570

फाटक

परिभाषा:

"फाटक" किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। "बेड़ों" फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

- नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।
- नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।
- फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।
- बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
- “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 09:23–25
- प्रे.का. 10:17–18
- व्यवस्थाविवरण 21:18–19
- उत्पत्ति 19:1–3
- उत्पत्ति 24:59–60
- मत्ती. 07:13–14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

फारस

परिभाषा:

फारस एक शक्तिशाली राज्य हो गया था जिसकी स्थापना कुस्रू महान ने 550 ई.पू. में की थी। फारस देश बेबीलोन अश्शूर राज्यों के दक्षिण पूर्व में था। वह आज का ईरान देश है।

- फारस के निवासियों को फारसी कहते थे।
- कुस्रू राजा के आदेश के अनुसार यहूदियों को बेबीलोन की बन्धुआई से मुक्त करके स्वदेश लौटने की अनुमति मिल गई थी, और यरूशलेम का मन्दिर भी फिर से बनाया गया था जिसका खर्चा फारस नगर कोष से मिलता था।
- जब एज्रा और नहेम्याह यरूशलेम की शहरपनाह का पुनरुद्धार करने स्वदेश लौटे थे तब अर्तक्षत्र फारसी राज्य का राजा था।
- एस्तेर राजा क्षयर्स से विवाह करने के बाद फारसी साम्राज्य की रानी हो गई थी।

(यह भी देखें: क्षयर्ष, अर्तक्षत्र, अश्शूर देश, बाबेल, कुस्रू, एस्तेर, एज्रा, नहेम्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 36:20
- दानिय्येल 10:13
- एस्तेर 01:3–4
- यहेजकेल 27:10–11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6539, H6540, H6542, H6543

फ़िरौन

तथ्य:

प्राचीन युग में मिस्र देश के राजा फ़िरौन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िरौन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से अधिक वर्ष राज किया था।
- मिस्र के ये राजा अति शक्तिशाली एवं धनवान मनुष्य थे।
- बाइबल में भी कुछ फिरौन के नाम आते हैं।
- यह पद नाम एक शीर्षक होने की अपेक्षा नाम के रूप में अधिक प्रयोग किया गया है। ऐसी स्थिति में फिरौन शब्द को अंग्रेजी में बड़े "पी" अक्षर से लिखा गया है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:9–10
- प्रे.का. 7:13
- प्रे.का. 7:21
- उत्पत्ति 12:15
- उत्पत्ति 40:7
- उत्पत्ति 41:25

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **8:6** एक रात **फ़िरौन** जो मिस्री अपने राजा को कहते थे, ने दो स्वप्न देखे जो उसे बहुत परेशान कर रहे थे।
- **8:8** **फ़िरौन** यूसुफ से ऐसा प्रभावित हुआ कि उसने यूसुफ़ को मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली मनुष्य नियुक्त कर दिया।
- **9:2** उस समय जो **फ़िरौन** मिस्र पर राज्य करता था, उसने इस्राएलियों को मिस्रियो का दास बनाया।
- **9:13** इसलिये आ मैं तुझे **फ़िरौन** के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्रके दासत्व में से निकाल ले आए।
- **10:2** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह **फ़िरौन** व मिस्र के देवताओ से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

फिलिप्पी

तथ्य:

फिलिप्पी एक मुख्य नगर एवं रोमी उपनगर था जो प्राचीन यूनान के उत्तरी भाग में मकिदुनिया प्रान्त में था।

- पौलुस और सीलास ने फिलिप्पी नगर जाकर वहां के लोगों को यीशु के बारे में बताया।
- फिलिप्पी में पौलुस और सीलास को बन्दी बना लिया गया था परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारी रूप से उन्हें बचाया।
- नये नियम में फिलिप्पियों की पत्री पौलुस द्वारा फिलिप्पी नगर की कलीसिया के विश्वासियों को लिखा पत्र है।
- ध्यान रखें कि यह नगर कैसरिया फिलिप्पी नहीं है, कैसरिया फिलिप्पी उत्तर पूर्वी इस्राएल में हर्मन पर्वत के निकट था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही विश्वासी, कलीसिया, मकिदुनिया, पौलुस, सीलास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 2:1–2
- प्रे.का. 16:11
- मत्ती 16:13–16
- फिलिप्पियों 1:1

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **47:1** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास **फिलिप्पी** में यीशु का प्रचार करने गए।
- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें आज्ञा दी कि **फिलिप्पी** छोड़ दे।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G53740, G53750

फिलिप्पुस

तथ्य:

यरूशलेम में आरंभिक कलीसिया में फिलिप्पुस सात सेवकों में से एक था जिन्हें गरीब और आवश्यकताग्रस्त विश्वासियों की सुधि लेने के लिए चुना गया था, विशेष करके विधवाओं को।

- परमेश्वर ने यहूदिया और गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सुसमाचार सुनाने के लिए फिलिप्पुस का उपयोग किया था उसने यरूशलेम से गाजा जाने वाले यरूशलेम के मार्ग में एक कूशी पुरुष को भी सुसमाचार सुनाया था।
- वर्षों बाद जब फिलिप्पुस कैसरिया में रह रहा था तब यरूशलेम लौटते समय पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- अधिकांश बाइबलविद् के विचार में यह फिलिप्पुस यीशु का शिष्य फिलिप्पुस नहीं था। कुछ भाषाओं में इन दोनों के नामों की वर्तनी में परिवर्तन कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग व्यक्ति होना स्पष्ट हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 06:5–6
- प्रे.का. 08:6–8
- प्रे.का. 08:12–13
- प्रे.का. 08:29–31
- प्रे.का. 08:36–38
- प्रे.का. 08:39–40

शब्द तथ्य:

- Strong's: G5376

फिलिप्पुस

तथ्य:

फिलिप्पुस यीशु के बारह चेलों में से एक था। वह बेतसैदा नगर का था।

- फिलिप्पुस नतनएल को यीशु के पास लाया था।
- यीशु ने फिलिप्पुस से कहा था कि वह 5000 मनुष्यों के जनसमूह के लिए भोजन व्यवस्था करे।
- अन्तिम फसह के भोज में यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पिता परमेश्वर के विषय चर्चा की थी। फिलिप्पुस ने यीशु से निवेदन किया था कि वह उन्हें पिता परमेश्वर का दर्शन कराए।
- कुछ भाषाओं में इस फिलिप्पुस का नाम प्रचारक फिलिप्पुस के नाम की वर्तनी से भिन्न लिखना उचित समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन उत्पन्न न हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: फिलिप्पुस)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 1:14
- यूहन्ना 1:44
- यूहन्ना 6:6
- लूका 6:14
- मरकुस 3:17–19

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G53760

फीनीके

तथ्य:

प्राचीन युग मे फिनिके इस्राएल के उत्तर में भूमध्य सागर के तट पर एक धनाढ्य नगर था।

- फिनिके आज के लेबनान देश के पश्चिमी में स्थित एक भू भाग था।
- नये नियम के युग में फिनिके की राजधानी सूर नगर थी। एक और महत्त्वपूर्ण फीनीके नगर सैदा था।
- फीनीकेवासी काष्ठकला के लिए प्रसिद्ध थे, वे अपने देश के देवदारों की लकड़ी काम में लेते थे और बैंजनी रंग तैयार करते थे, जो बहुत मंहगा होता था। वे समुद्री यात्रा और व्यापार करने के लिए प्रसिद्ध थे। वे अत्यधिक कुशल नाव बनानेवाले भी थे।
- पूर्व के अक्षरों में से एक अक्षर फीनीकेवासी द्वारा बनाया गया था। व्यापार के माध्यम से कई लोगों के समूह के साथ उनके संपर्क के कारण उनकी वर्णमाला व्यापक रूप से इस्तेमाल की गई थी।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: देवदारू, बैंजनी, सैदा, सूर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 11:19–21
- प्रे.का. 15:3–4
- प्रे.का. 21:1–2
- यशायाह 23:10–12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3667, G4949, G5403